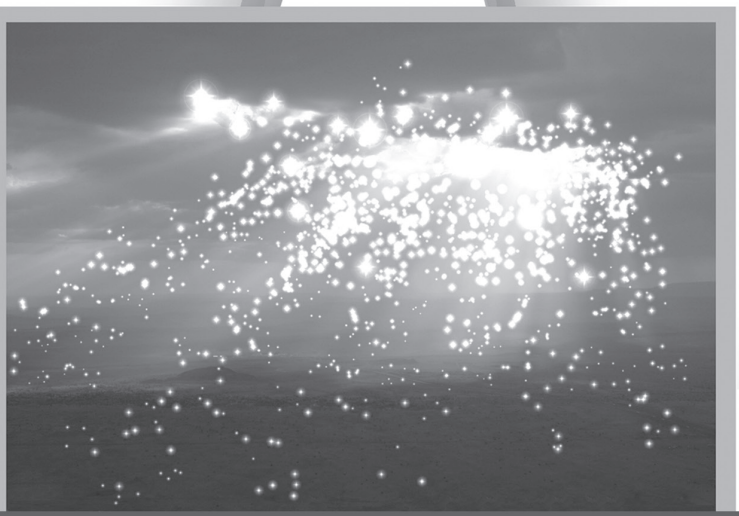


खुले स्वर्ग

"...तब स्वर्ग खुल गया...." यहेजकेल 1:1

आशीष रायचूर

केवल निःशुल्क वितरण के लिए
ऑल पीपल्स चर्च एण्ड वर्ल्ड आउटरीच, बैंगलोर, भारत द्वारा निर्मित और वितरित।
वर्तमान संस्करण: 2026

संपर्क जानकारी
All Peoples Church & World Outreach,
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email**: bookrequest@apcwo.org**
Website: **apcwo.org**

जब तक, अन्य रूप से संकेत न दिया गया हो, धर्मशास्त्र के सभी संदर्भ पवित्र बाइबल द बाइबल सोसायटी ऑफ इंडिया(BSI) द्वारा प्रकाशित, पुराने संस्करण से अनुमति सहित लिए गए हैं। सर्वाधिकार आरक्षित हैं।

आर्थिक साझेदारी
इस पुस्तक का निःशुल्क वितरण ऑल पीपल्स चर्च के सदस्यों, सहभागियों और मित्रों की आर्थिक सहायता के कारण संभव हुआ है। यदि आपने इस निःशुल्क प्रकाशन के माध्यम से आशीष पाई है, तो हम आपको ऑल पीपल्स चर्च के निःशुल्क प्रकाशनों के मुद्रण और वितरण में सहायता हेतु आर्थिक रूप से योगदान देने हेतु आमंत्रित करते हैं। कृपया **apcwo.org/give** पर जाइए या अपना योगदान कैसे करें, यह देखने हेतु इस पुस्तक के पीछे "ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें" पृष्ठ को देखीए। धन्यवाद!

निःशुल्क संसाधन और संबंधित वेबसाइटें
उपदेश: apcwo.org/sermons। **पुस्तकें:** apcwo.org/books। **चर्च ऐप:** apcwo.org/app
बाइबल कॉलेज: apcbiblecollege.org। **ई-लर्निंग:** apcbiblecollege.org/elearn
परामर्श सेवा: chrysalislife.org । **संगीत:** apcmusic.org
मिनिस्टर्स फेलोशिप: pamfi.org। **एपीसी वर्ल्ड मिशन्स:** apcworldmissions.org
बाइबल-विश्वासियों की व्याख्या: believersbiblecommentary.com

(Hindi–Open Heavens)

खुले स्वर्ग

"...तब स्वर्ग खुल गया...." यहेजकेल 1:1

विषयसूची

परिचय

1. जैसा स्वर्ग में है, वैसा पृथ्वी पर भी हो 1
2. खुला स्वर्ग क्या है? 4
3. खुला स्वर्ग किस कारण होता है? 12
4. क्या आपके क्षेत्र के ऊपर स्वर्ग खुला है? 20

परिचय

मसीह की देह को लोगों, समुदायों और भौगोलिक क्षेत्रों के ऊपर खुले स्वर्ग के विषय में नई समझ और अंतर्दृष्टि प्राप्त हो रही है।

ऐसा प्रतीत होता है कि संसार में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जो खुले स्वर्ग के "विशेष केंद्र" हैं। ऐसे क्षेत्रों में, ऐसा कहें तो, "स्वर्ग को नीचे लाना" आसान होता है। उदाहरण के लिए, वेल्स ने 1859 में परमेश्वर की एक अद्‌त मुलाकात का अनुभव किया और फिर 1904 में वहाँ एक और जागृति फूट पड़ी। फ्लोरिडा क्षेत्र ने 1995 में पेनसाकोला आउटपोरिंग, जिसे ब्राउन्सविल जागृति के नाम से भी जाना जाता है, का अनुभव किया और हाल ही में 2008 में लेकलैंड आउटपोरिंग का भी अनुभव किया।

इसलिए, हमें प्रोत्साहित किया जाता है कि हम उन क्षेत्रों में स्वर्ग के आसानी से खुलने की अपेक्षा करें जहाँ पहले जागृतियाँ, आत्मिक उंडेले जाने और परमेश्वर की विशेष उपस्थिति के दर्शन हुई हैं। भारत में शिलांग ने 1906 में एक महान जागृति का अनुभव किया, जब वेल्श मिशनरियों ने इस क्षेत्र में जागृति की आग पहुँचा दी। 2000 के आरम्भ से शिलांग के विश्वासियों ने एक और जागृति के लिए परमेश्वर की खोज करना आरम्भ किया। उनकी गंभीर प्रार्थनाओं के कारण 2006 की शिलांग जागृति में एक बार फिर स्वर्ग खुल गया। पंजाब में सियालकोट ने 1904 से आरंभ होने वाली एक महान जागृति का अनुभव किया, जिसमें जॉन हाइड नामक एक व्यक्ति ने अपनी उत्कट प्रार्थना के द्वारा जागृति को जन्म देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसा कोई कारण नहीं है कि यह क्षेत्र फिर से जागृति और प्रभु की विशेष भेंटों का अनुभव न कर सके।

यह पुस्तक इस विषय पर एक सरल अध्ययन है कि खुले स्वर्ग के विषय में पवित्रशास्त्र क्या प्रकट करता है, इसका क्या अर्थ है, और इसके परिणाम क्या होंगे। हमें विश्वास है कि बहुत से लोग अपने जीवन, अपनी स्थानीय कलीसियाओं और अपने समुदायों के ऊपर एक "खुला स्वर्ग" बनाने के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रार्थना करने और उसे स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हमें विश्वास है कि किसी क्षेत्र की स्थानीय कलीसियाएँ एकजुट होकर अपने नगर या क्षेत्र के ऊपर खुले स्वर्ग, कलीसिया के सुधार / पुनर्स्थापन, और उस नगर या क्षेत्र के रूपान्तरण के लिए प्रार्थना करने के संयुक्त प्रयास के लिए प्रेरित होंगी।

परमेश्वर आपको आशीष दे!

आशीष रायचूर

1
जैसा स्वर्ग में है, वैसा पृथ्वी पर भी हो

हमें प्रार्थना करना सिखाते समय, प्रभु ने हमारे सामने जिन मुख्य बातों को रखा, उनमें से एक है पृथ्वी पर स्वर्ग को लाने की खोज करना।

मत्ती 6:10
तेरा राज्य आए। तेरी इच्छा जैसी स्वर्ग में पूरी होती है, वैसे पृथ्वी पर भी हो।

जो कुछ स्वर्ग में है, उसे यहाँ पृथ्वी पर स्थापित और अनुभव किया जाना चाहिए। यह हमारा दायित्व है—कि जो कुछ स्वर्ग में है, उसे यहाँ पृथ्वी पर प्रकट होते हुए देखें (मत्ती 16:18,19)।

परमेश्वर ने अपने लोगों के लिए पहले ही हर एक आत्मिक आशीष दे दी है। फिर भी, सब कुछ हमें स्वर्गीय स्थानों में दिया गया है। अभिषेक, चमत्कार, चंगाई, हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति,और ऐसी ही अन्य बातें पहले ही हमें स्वर्गीय स्थानों में दी जा चुकी हैं।

इफिसियों 1:3
हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो कि उसने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में सब प्रकार की आत्मिक आशीष दी है।

इसलिए चुनौती यह है कि ये आत्मिक आशीषें हमारे लिए यहाँ पृथ्वी पर प्रकट हों, जैसे कि वे मसीह में स्वर्गीय स्थानों में हमें पहले ही दी जा चुकी हैं। हमारी अभिलाषा यह होनी चाहिए कि जो कुछ हमें स्वर्गीय स्थानों में पहले ही प्रदान किया जा चुका है, उसे पृथ्वी के क्षेत्र में अपने जीवन में प्रकट होते हुए देखें और उसमें चलें।

स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करने के लिए जोर लगाना

मत्ती 11:12

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के दिनों से अब तक स्वर्ग के राज्य में बलपूर्वक प्रवेश होता रहा है, और बलवान उसे छीन लेते हैं।

यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला पहला व्यक्ति था जो पृथ्वी पर स्वर्ग के राज्य के आने की घोषणा करने वाला संदेश लेकर आया (मत्ती 3:2)। जब से पृथ्वी पर स्वर्ग के राज्य के आने की घोषणा की गई, तब से आत्मा में दृढ़ता से आगे बढ़ने वाले—जो लोग जोर लगाकर आगे बढ़ते हैं—वे ही हैं जो राज्य में जो कुछ है उसे अपने अधिकार में लेते हैं! आत्मा में एक प्रकार की तीव्रता जो कुछ हमें स्वर्ग के राज्य में पहले ही दिया जा चुका है, उसे प्राप्त करने के लिए आत्मा में दृढ़ प्रयास करने की आवश्यकता है।

अब ऐसा क्यों है? ऐसा नहीं हो सकता कि परमेश्वर स्वर्ग के राज्य को हमसे दूर रख रहा हो! वास्तव में, वही यह देखना चाहता है कि स्वर्ग पृथ्वी पर प्रकट किया जाए। उसकी इच्छा है कि वह हमें राज्य दे (लूका 12:32)। मैं कम से कम दो कारण देखता हूँ कि आत्मिक बल क्यों आवश्यक है।

1) हम जानते हैं कि एक शत्रु है, अर्थात् शैतान, जो यह सुनिश्चित करने के लिए हर सम्भव प्रयास करता है कि हम उस चीज़ को प्राप्त न करें जो हमें दी गई है। वह नहीं चाहता कि यहाँ पृथ्वी पर स्वर्ग हो, और इसलिए वह हर सम्भव तरीके से हमें रोकने का प्रयास करेगा।

2) आत्मा में बलपूर्वक प्रयास करने की स्थिति तक पहुँचना हमें उस चीज़ में चलने के लिए तैयार करता है जिसे हम प्राप्त करते हैं। हमें उसे प्राप्त करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

दूसरी ओर, उंडेले जाने के एक समय (या जागृति अथवा परमेश्वर की विशेष उपस्थिति के समय), हम उस अवस्था का अनुभव करते हैं जिसे हम "खुला स्वर्ग" कहते हैं। इसका अर्थ है कि हम ऐसे समय में हैं जब स्वर्ग पृथ्वी पर आक्रमण करता है—जब राज्य की वस्तुओं को प्राप्त करना इतना आसान हो जाता है कि वास्तव में, वे हम पर उंडेल दी जाती हैं! स्वर्ग खुला है और इसलिए हमारे लिए यह बहुत आसान हो जाता है कि स्वर्गीय क्षेत्र में जो हमारा है उसे ग्रहण करें और यहाँ पृथ्वी के क्षेत्र में उसमें चलें।

हम "उंडेले जाने," "परमेश्वर की विशेष उपस्थिति," और "जागृति" शब्दों का प्रयोग एक ही परमेश्वर के कार्य को संदर्भित करने के लिए एक-दूसरे के स्थान पर करेंगे। स्पष्टता के लिए,

- "उंडेला जाना" वह "समय है जब आकाश खुला होता है और परमेश्वर की उपस्थिति वर्षा के समान लोगों पर उंडेली जाती है।"
- "परमेश्वर की विशेष उपस्थिति" वह "समय है जब परमेश्वर हमारे बीच चलता है—जब सामर्थी चिन्ह, चमत्कार, अलौकिक अनुभव और बदले हुए जीवन दिखाई देते हैं।"
- पुनर्जीवित करने का अर्थ है "फिर से फलना-फूलना या खिल उठना, फिर से जीवित होना, या जीवन को फिर से प्राप्त करना।" जो सूख गया था, वह अब फलने-फूलने लगता है और आग फिर से प्रज्वलित हो जाती है। इसलिए, "जागृति" "उस चीज़ को फिर से जीवित करने, सक्रिय करने और फिर से प्रज्वलित करने की प्रक्रिया है जो पहले से ही व्यक्तिगत विश्वासी और कलीसिया में स्थापित या अनुभव की जा चुकी थी।"

2
खुला स्वर्ग क्या है?

एक "खुला स्वर्ग" "उंडेले जाने का समय, परमेश्वर की विशेष उपस्थिति का समय, और परमेश्वर के लोगों के बीच जागृति का समय" है। परमेश्वर के लोग आत्मिक और भौतिक आशीषों के उंडेले जाने का अनुभव करने लगते हैं। यह "बहकर" समुदाय या क्षेत्र में फैल जाता है, जिससे कि उद्धार न पाए हुए लोग भी प्रभावित होते हैं।

खुले स्वर्ग का अर्थ है परमेश्वर की ओर से प्रबन्ध

व्यवस्थाविवरण 28:12
यहोवा तेरे लिये अपने आकाशरूपी उत्तम भण्डार को खोलकर तेरी भूमि पर समय पर मेंह बरसाया करेगा, और तेरे सारे कामों पर आशीष देगा; और तू बहुतेरी जातियों को उधार देगा, परन्तु किसी से तुझे उधार लेना न पड़ेगा।

भजन संहिता 78:23-25
23 तौभी उसने आकाश को आज्ञा दी,
और स्वर्ग के द्वारों को खोला;
24 और उनके लिये खाने को मन्ना बरसाया,
और उन्हें स्वर्ग का अन्न दिया।
25 मनुष्यों को स्वर्गदूतों की रोटी मिली;
उसने उनको मनमाना भोजन दिया।

मलाकी 3:10
सारे दशमांश भण्डार में ले आओ कि मेरे भवन में भोजनवस्तु रहे; और सेनाओं का यहोवा यह कहता है, कि ऐसा करके मुझे परखो कि मैं आकाश के झरोखे तुम्हारे लिये खोलकर तुम्हारे ऊपर अपरम्पार आशीष की वर्षा करता हूँ कि नहीं।

पवित्रशास्त्र के ये वचन स्वर्ग के द्वारों और झरोखों के खोले जाने का वर्णन करते हैं, ताकि परमेश्वर की ओर से प्रबन्ध उसके लोगों के जीवन में उंडेला जाए। लोगों की आवश्यकताएँ अलौकिक रीति से पूरी होती हैं। नौकरियाँ, पदोन्नति, आर्थिक परिस्थितियों में परिवर्तन, व्यवसायों में वृद्धि, ऋणों का समाप्त होना, खोई हुई वस्तुओं की पुनःप्राप्ति, अन्यायपूर्वक छीन ली गई वस्तुओं का लौटाया जाना, और परमेश्वर के लोगों के जीवन में भौतिक आशीषें लाने से सम्बन्धित बहुत सी अन्य बातें होने लगती हैं। इसका यह अर्थ नहीं है कि ऐसी बातें अन्य समयों में नहीं होतीं। परमेश्वर अपने वचन के प्रति सच्चा है और हमारी सारी आवश्यकताओं को पूरा करता है (फिलिप्पियों 4:19)। और हाँ, हमें अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति और प्रार्थनाओं के उत्तर प्राप्त करने के लिए हमेशा विश्वास से चलना है (मरकुस 11:24)। फिर भी, खुले स्वर्ग के समय में परमेश्वर के लोगों पर भौतिक आशीषों के उंडेले जाने में ऐसी वृद्धि होती है कि यह स्पष्ट रूप से पहचाना जा सकता है कि कुछ अलग हो रहा है।

खुले स्वर्ग का अर्थ है परमेश्वर के आत्मा का उंडेला जाना

मत्ती 3:16

और यीशु बपतिस्मा लेकर तुरन्त पानी में से ऊपर आया, और देखो, उसके लिए आकाश खुल गया, और उसने परमेश्वर के आत्मा को कबूतर के समान उतरते और अपने ऊपर आते देखा।

"स्वर्ग खुल गया" का प्रयोग परमेश्वर के आत्मा के उंडेले जाने के सम्बन्ध में किया गया है। यीशु का आत्मा के द्वारा अभिषेक हुआ और उनमें आत्मा बिना किसी सीमा के था (लूका 4:17; प्रेरितों के काम 10:38; यूहन्ना 3:34)। इसका परिणाम यह हुआ कि यीशु ने लोगों की सेवा करते समय सामर्थी चमत्कार, चिन्ह और अद्‌त काम किए। यह कहना उचित होगा कि यीशु जहाँ कहीं भी गए, वहाँ खुले स्वर्ग के अधीन चलते रहे। आकाश उनके लिये हमेशा खुला था। यह परमेश्वर

की विशेष उपस्थिति का समय था। परमेश्वर ने अपने लोगों की सुधि ली थी (लूका 1:68; लूका 7:16)।

प्रेरितों के काम की पुस्तक के पहले आठ अध्याय यरूशलेम के ऊपर खुले स्वर्ग के एक अद्‌त समय का वर्णन करते हैं, जो यीशु की सेवकाई के समय के तुरन्त बाद आया। यह परमेश्वर के आत्मा के सामर्थी उंडेले जाने का समय था (प्रेरितों के काम 2:17,18)। इसके परिणामस्वरूप चमत्कारों, चिन्हों और अद्‌त कामों का सामर्थी प्रदर्शन हुआ, जिसके कारण बहुत से लोग प्रभु की ओर फिर गए और उसकी ओर मुड़ गए (प्रेरितों के काम 2:43,47)।

खुले स्वर्ग का अर्थ है परमेश्वर की धार्मिकता और उपस्थिति का उंडेला जाना

यशायाह 45:8

हे आकाश, ऊपर से धर्म बरसा, आकाशमण्डल से धर्म की वर्षा हो; पृथ्वी खुले कि उद्धार उत्पन्न हो; और धर्म भी उसके संग उगाए; मैं यहोवा ही ने उसे उत्पन्न किया है।

होशे 6:1-3

1 "चलो, हम यहोवा की ओर फिरें; क्योंकि उसी ने फाड़ा, और वही चंगा भी करेगा; उसी ने मारा, और वही हमारे घावों पर पट्टी बाँधेगा।
2 दो दिन के बाद वह हम को जिलाएगा; और तीसरे दिन वह हमको उठाकर खड़ा करेगा; तब हम उसके सम्मुख जीवित रहेंगे।
3 आओ, हम ज्ञान ढूँढ़ें, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा के समान हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिस से भूमि सिंचती है।"

खुले स्वर्ग के समय में धार्मिकता और परमेश्वर की उपस्थिति का ऐसा उंडेला जाना होता है, जिसमें परमेश्वर वर्षा के समान हमारे पास आता है। परमेश्वर के लोग परमेश्वर की उपस्थिति के बोध और

अनुभव से इतने अभिभूत हो जाते हैं कि धार्मिकता, पवित्रता, शुद्धता, पवित्रीकरण और समर्पण एक नए स्तर तक पहुँच जाते हैं। व्यक्तिगत जीवन में पाप के लिए कोई और सहनशीलता नहीं रहती। वे आदतें और व्यवहार जो परमेश्वर को अप्रसन्न करते थे और जिन्हें पहले स्वीकार कर लिया जाता था, अब अस्वीकार कर दिए जाते हैं और हटा दिए जाते हैं।

लोगों के हृदय परमेश्वर की उपस्थिति को ग्रहण करने, धार्मिकता के लिए उसकी बुलाहट को स्वीकार करने और उस सब के लिए जिसे वह करना चाहता है, इतने खुले हो जाते हैं। प्रभु के ज्ञान के लिए भूख, प्यास और उसे खोजने की लालसा उत्पन्न होती है।

खुले स्वर्ग का अर्थ है स्वर्गदूतों की गतिविधि में वृद्धि

यूहन्ना 1:51
फिर उस से कहा, "मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि तुम स्वर्ग को खुला हुआ, और परमेश्वर के स्वर्गदूतों को मनुष्य के पुत्र के ऊपर उतरते और ऊपर जाते देखोगे।"

उत्पत्ति 28:10-17
10 याकूब बेर्शेबा से निकलकर हारान की ओर चला।
11 और उसने किसी स्थान में पहुँचकर रात वहीं बिताने का विचार किया, क्योंकि सूर्य अस्त हो गया था; इसलिये उसने उस स्थान के पत्थरों में से एक पत्थर ले अपना तकिया बनाकर रखा, और उसी स्थान में सो गया।
12 तब उसने स्वप्न में क्या देखा, कि एक सीढ़ी पृथ्वी पर खड़ी है, और उसका सिरा स्वर्ग तक पहुँचा है; और परमेश्वर के दूत उस पर से चढ़ते उतरते हैं।
13 और यहोवा उसके ऊपर खड़ा होकर कहता है, "मैं यहोवा, तेरे दादा अब्राहम का परमेश्वर, और इसहाक का भी परमेश्वर हूँ; जिस भूमि पर तू लेटा है, उसे मैं तुझ को और तेरे वंश को दूँगा।
14 और तेरा वंश भूमि की धूल के किनकों के समान बहुत होगा, और पश्चिम, पूरब, उत्तर, दक्षिण, चारों ओर फैलता जाएगा: और तेरे और तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सारे कुल आशीष पाएँगे।
15 और सुन, मैं तेरे संग रहूँगा, और जहाँ कहीं तू जाए वहाँ तेरी रक्षा करूँगा,

और तुझे इस देश में लौटा ले आऊँगा: मैं अपने कहे हुए को जब तक पूरा न कर लूँ तब तक तुझ को न छोड़ूँगा।"
16 तब याकूब जाग उठा, और कहने लगा, "निश्चय इस स्थान में यहोवा है; और मैं इस बात को न जानता था।"
17 और भय खाकर उसने कहा, "यह स्थान क्या ही भयानक है! यह तो परमेश्वर के भवन को छोड़ और कुछ नहीं हो सकता; वरन् यह स्वर्ग का फाटक ही होगा।"

स्वर्गदूत सेवा करने वाली आत्माएँ हैं, जो विश्वासियों की सेवा करने के लिए भेजी जाती हैं (इब्रानियों 1:14)। खुले स्वर्ग के समय में स्वर्गदूतों की गतिविधि बढ़ जाती है। लोग स्वर्गदूतों से होने वाली मुलाकातों और अनुभवों में वृद्धि का अनुभव करने लगते हैं।

परमेश्वर के लोगों के रूप में हमारे लिए स्वर्गदूतों की सेवकाई बहुत महत्वपूर्ण है, यद्यपि हम अक्सर इस विषय पर प्रचार सुनते नहीं हैं। जंगल में अपनी परीक्षा के तुरन्त बाद प्रभु यीशु की सेवा स्वर्गदूतों ने की (मत्ती 4:11)। गतसमनी के बगीचे में, अपनी अत्यन्त पीड़ा की घड़ी में, यीशु को एक स्वर्गदूत ने सामर्थ दी (लूका 22:43)। यदि स्वयं यीशु की भी इस प्रकार सेवा की जा सकती थी, तो फिर आप और मैं स्वर्गदूतों की सेवकाई के द्वारा कितना अधिक लाभ पा सकते हैं!

स्वर्गदूतों ने प्रेरितों की भी सेवा की। एक स्वर्गदूत प्रेरितों को बन्दीगृह से बाहर ले आया (प्रेरितों के काम 5:19)। एक स्वर्गदूत ने फिलिप्पुस को निर्देश दिया कि वह गाज़ा के मरुस्थल में जाए, जहाँ उसे एक इथियोपियाई व्यक्ति से मिलना था और उसके साथ मसीह के विषय में सुसमाचार साझा करना था (प्रेरितों के काम 8:26)। एक स्वर्गदूत पतरस को बन्दीगृह से बाहर ले आया (प्रेरितों के काम 12:7-11)। प्रेरितों के काम की पुस्तक में हम स्वर्गदूतों को और भी कई कार्य करते हुए देखते हैं। एक स्वर्गदूत कुरनेलियुस के पास आया और उसे पतरस को बुलाने के लिए दूत भेजने का निर्देश दिया

(प्रेरितों के काम 10:3,7,22)। इसके परिणामस्वरूप अन्यजातियों को सुसमाचार सुनाया गया—जो आरम्भिक कलीसिया की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन था। एक स्वर्गदूत ने हेरोदेस को मारा और वह मर गया (प्रेरितों के काम 12:21-23)। एक जहाज़ के टूटने से ठीक पहले, आँधी के बीच एक स्वर्गदूत पौलुस को दिखाई दिया और उसने उसके तथा उसके साथियों के जीवन की सुरक्षा का आश्वासन दिया (प्रेरितों के काम 27:23)। और भी कई तरीके हैं जिनसे स्वर्गदूत हमारी सेवा कर सकते हैं। स्वर्गदूत और स्वर्गदूतों के समान प्राणी हमारी रक्षा करते हैं (भजन संहिता 91:11), स्वप्नों में हमसे बातें करते हैं (मत्ती 1:20), हमारे जीवन में परमेश्वर की ओर से प्रबन्ध लाते हैं, अलौकिक चंगाई में सहायता करते हैं (यूहन्ना 5:4), शारीरिक दशा को बदलते हैं (लूका 1:18-20), हमारे समर्पण और शुद्धिकरण में सहायता करते हैं (यशायाह 6:6,7), और भी बहुत कुछ करते हैं।

खुले स्वर्ग का अर्थ है दर्शन, प्रकाशनों और परमेश्वर के साथ मुलाकातों में वृद्धि

यहेजकेल 1:1
तीसवें वर्ष के चौथे महीने के पाँचवें दिन, मैं बन्दियों के बीच कबार नदी के तट पर था, तब स्वर्ग खुल गया, और मैं ने परमेश्वर के दर्शन पाए।

प्रेरितों के काम 7:55,56
55 परन्तु उसने पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होकर स्वर्ग की ओर देखा और परमेश्वर की महिमा को और यीशु को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखकर
56 कहा, "देखो, मैं स्वर्ग को खुला हुआ, और मनुष्य के पुत्र को परमेश्वर के दाहिनी ओर खड़ा हुआ देखता हूँ।"

प्रेरितों के काम 10:9-17
9 दूसरे दिन जब वे चलते चलते नगर के पास पहुँचे, तो दोपहर के निकट पतरस छत पर प्रार्थना करने चढ़ा।

10 उसे भूख लगी और कुछ खाना चाहता था, परन्तु जब वे तैयारी कर रहे थे तो वह बेसुध हो गया;
11 और उसने देखा, कि आकाश खुल गया; और एक पात्र बड़ी चादर के समान चारों कोनों से लटकता हुआ, पृथ्वी की ओर उतर रहा है।
12 जिस में पृथ्वी के सब प्रकार के चौपाए और रेंगनेवाले जन्तु और आकाश के पक्षी थे।
13 उसे एक ऐसा शब्द सुनाई दिया, "हे पतरस उठ, मार और खा।"
14 परन्तु पतरस ने कहा, "नहीं प्रभु, कदापि नहीं; क्योंकि मैं ने कभी कोई अपवित्र या अशुद्ध वस्तु नहीं खाई है।"
15 फिर दूसरी बार उसे शब्द सुनाई दिया, "जो कुछ परमेश्वर ने शुद्ध ठहराया है, उसे तू अशुद्ध मत कह।"
16 तीन बार ऐसा ही हुआ; तब तुरन्त वह पात्र आकाश पर उठा लिया गया।
17 जब पतरस अपने मन में दुविधा में था, कि यह दर्शन जो मैं ने देखा वह क्या हो सकता है, तो देखो, वे मनुष्य जिन्हें कुरनेलियुस ने भेजा था, शमौन के घर का पता लगाकर द्वार पर आ खड़े हुए,

प्रकाशितवाक्य 4:1,2
1 इन बातों के बाद जो मैं ने दृष्टि की तो क्या देखता हूँ कि स्वर्ग में एक द्वार खुला हुआ है, और जिसको मैं ने पहले तुरही के से शब्द से अपने साथ बातें करते सुना था, वही कहता है, "यहाँ ऊपर आ जा; और मैं वे बातें तुझे दिखाऊँगा, जिनका इन बातों के बाद पूरा होना अवश्य है।"
2 तुरन्त मैं आत्मा में आ गया; और क्या देखता हूँ कि एक सिंहासन स्वर्ग में रखा है, और उस सिंहासन पर कोई बैठा है।

प्रकाशितवाक्य 19:11
फिर मैं ने स्वर्ग को खुला हुआ देखा, और देखता हूँ कि एक श्वेत घोड़ा है; और उस पर एक सवार है, जो विश्वासयोग्य और सत्य कहलाता है; और वह धर्म के साथ न्याय और युद्ध करता है।

बाइबल में कई स्थानों पर हमें दिखाया गया है कि जब आकाश खुला, तब पृथ्वी पर लोगों ने दर्शन, प्रकाशन और परमेश्वर के साथ मुलाकातों का अनुभव किया। पौलुस ने भी बताया कि उसे तीसरे स्वर्ग तक, अर्थात् स्वर्गलोक में उठा लिया गया और उसने ऐसी बातें

सुनीं जिन्हें बताने की अनुमति उसे नहीं थी (2 कुरिन्थियों 12:1-4)। उंडेले जाने और परमेश्वर की विशेष उपस्थिति के समय में, जब लोग खुले स्वर्ग के अधीन होते हैं, तब परमेश्वर के लोगों के बीच दर्शन, स्वप्न और प्रकाशनों में वृद्धि होती है। यहाँ तक कि वे लोग भी जो सामान्यतः दर्शन और प्रकाशन प्राप्त करने के लिए अभ्यस्त नहीं होते, ऐसे अनुभव करने लगते हैं। बहुत से लोगों के लिए ज्ञान के वचन, बुद्धि के वचन और आत्माओं को परखने के प्रकाशनात्मक वरदानों में बहना आसान हो जाता है। इनमें से कुछ प्रकाशन जीवन को बदल देने वाले, भाग्य को बदलने वाले, नई सेवकाइयों को जन्म देने और ऐसी ही अन्य बातें हो सकते हैं।

खुले स्वर्ग का अर्थ है प्रार्थना का उत्तर मिलना

2 इतिहास 30:26,27

[26] इस प्रकार यरूशलेम में बड़ा आनन्द हुआ, क्योंकि दाऊद के पुत्र इस्राएल के राजा सुलैमान के दिनों से ऐसी बात यरूशलेम में न हुई थी।
[27] अन्त में लेवीय याजकों ने खड़े होकर प्रजा को आशीर्वाद दिया, और उनकी सुनी गई, और उनकी प्रार्थना उसके पवित्र धाम तक अर्थात् स्वर्ग तक पहुँची।

हम जानते हैं कि परमेश्वर हमेशा प्रार्थना सुनता है और उसका उत्तर देता है। फिर भी, खुले स्वर्ग के समय में, जैसा कि हिजकिय्याह के शासनकाल के दौरान इस्राएल में जागृति के समय अनुभव किया गया, प्रार्थनाओं के उत्तर आसानी से और शीघ्र प्राप्त होते हैं। यह उस परिस्थिति के विपरीत है जिससे दानिय्येल को होकर गुजरना पड़ा—स्वर्ग से उत्तर प्राप्त करने के लिए 21 दिनों तक गहन प्रार्थना और प्रतीक्षा करनी पड़ी (दानिय्येल 10:1-13)। प्रार्थनाओं के उत्तर में आने वाली शैतानी रुकावटें कम हो जाती हैं और स्वर्गदूत संदेशवाहक शीघ्रता से महत्वपूर्ण उत्तर लेकर पहुँचते हैं।

3
खुला स्वर्ग किस कारण होता है?

क्या ऐसा कुछ है जो हम अपने नगर, समुदाय या क्षेत्र के ऊपर खुले स्वर्ग को अनुभव करने के लिए कर सकते हैं? यदि हाँ, तो वह क्या होगा?

हालाँकि यह सत्य है कि ऐसे अवसर भी आते हैं जब परमेश्वर अपनी प्रभुसत्ता में, जब कोई इसकी अपेक्षा नहीं कर रहा होता, स्वर्ग को चीरकर नीचे उतर आता है, फिर भी पवित्रशास्त्र और इतिहास हमें ऐसी कई बातें सिखाते हैं जिन्हें परमेश्वर के लोग स्वर्ग को खुला देखने के लिए कर सकते हैं।

परमेश्वर की गहन खोज

होशे 6:1-3

1 "चलो, हम यहोवा की ओर फिरें; क्योंकि उसी ने फाड़ा, और वही चंगा भी करेगा; उसी ने मारा, और वही हमारे घावों पर पट्टी बाँधेगा।
2 दो दिन के बाद वह हम को जिलाएगा; और तीसरे दिन वह हमको उठाकर खड़ा करेगा; तब हम उसके सम्मुख जीवित रहेंगे।
3 आओ, हम ज्ञान ढूँढ़ें, वरन् यहोवा का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यत्न भी करें; क्योंकि यहोवा का प्रगट होना भोर का सा निश्चित है; वह वर्षा के समान हमारे ऊपर आएगा, वरन् बरसात के अन्त की वर्षा के समान जिस से भूमि सिंचती है।"

यदि हम, परमेश्वर के लोग, परमेश्वर की ओर फिरें और प्रभु की खोज करें, तो बाइबल हमें आश्वासन देती है कि वह वर्षा के समान हमारे पास आएगा। हम पर परमेश्वर की उपस्थिति और सामर्थ का उंडेला जाना होगा।

परमेश्वर की हमारी गंभीर खोज परमेश्वर के लिए गहरी भूख, मन फिराव, समर्पण, परमेश्वर के अधीन होने और लम्बे समय तक उसकी खोज करने के द्वारा प्रकट होती है। हमारे हृदय परमेश्वर के लिए वैसे ही भूखे होने चाहिए जैसे हिरनी बहते हुए जल के सोतों के लिए प्यासी होती है (भजन संहिता 42:1,2)। इतिहास ऐसे व्यक्तियों और विश्वासियों के समूहों की सामर्थी गवाहियों से भरा हुआ है, जिन्होंने प्रार्थना, स्तुति और आराधना के द्वारा तथा प्रभु की उपस्थिति में रहकर गंभीरता से परमेश्वर की खोज की और प्रभु की सामर्थी विशेष उपस्थिति का अनुभव किया। ऐसा कोई कारण नहीं है कि किसी भी क्षेत्र की कलीसिया जानबूझकर ऐसा न करे और परमेश्वर की विशेष उपस्थिति का अनुभव न कर सके। अन्ततः, यह हमारी अपनी पसंद है कि हम परमेश्वर की खोज करें और उसकी उपस्थिति को खोजें। और परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि जब हम उसकी खोज करेंगे, तो वह **निश्चय ही** हमारे पास आएगा! जब हम उसके निकट आएँगे, तो वह **निश्चय ही** हमारे निकट आएगा (याकूब 4:8)।

चार्ल्स फिनी ने कहा, *"जागृति स्वर्ग से तब आती है जब वीर आत्माएँ इस संघर्ष में यह निश्चय करके प्रवेश करती हैं कि वे जीतेंगी या मरेंगी—या यदि आवश्यक हो, तो जीतेंगी और मरेंगी! 'स्वर्ग के राज्य में बलपूर्वक प्रवेश होता है, और जो बल लगाते हैं, वे उसे अधिकार में ले लेते हैं।'"*

परमेश्वर के लोगों के बीच एकता

भजन संहिता 133:1-3
1 देखो, यह क्या ही भली और
मनोहर बात है
कि भाई लोग आपस में मिले रहें!
2 यह तो उस उत्तम तेल के समान है,
जो हारून के सिर पर डाला गया था,

और उसकी दाढ़ी पर बहकर,
उसके वस्त्र की छोर तक पहुँच गया।
[3] यह हेर्मोन की उस ओस के समान है,
जो सिय्योन के पहाड़ों पर गिरती है!
यहोवा ने तो वहीं
सदा के जीवन की आशीष ठहराई है।

उंडेले जाने का एक पूर्व संकेत ऐसा वातावरण है जहाँ उस क्षेत्र में परमेश्वर के लोगों के बीच सच्ची एकता हो। हमें स्वार्थी महत्वाकांक्षा, संदेह और प्रतिस्पर्धा को दूर करना होगा। स्वार्थी महत्वाकांक्षा संदेह को जन्म देती है, संदेह प्रतिस्पर्धा के लिए द्वार खोलता है, और प्रतिस्पर्धा विभाजन को जन्म देती है।

जब परमेश्वर के लोग नाम, सम्प्रदाय या सिद्धान्त सम्बन्धी भिन्नताओं की परवाह किए बिना, छोटी-छोटी बातों के झगड़ों को एक ओर रखकर, केवल परमेश्वर की खोज करने के एक उद्देश्य से एक साथ आते हैं, तब उसके आत्मा की उपस्थिति और सामर्थ का एक सामर्थी उंडेला जाना होगा। उन सभी पर, सिर से पाँव तक, बड़े से लेकर छोटे तक, अभिषेक, ताज़गी, आशीष और जीवन का उंडेला जाना होगा!

120 चेलों के विषय में यह बात बिल्कुल सत्य थी। उंडेले जाने की प्रतिज्ञा दिए जाने के बाद (प्रेरितों के काम 1:5,8), बाइबल हमें बताती है कि वे *"एक चित्त होकर प्रार्थना में लगे रहते थे"* (प्रेरितों के काम 1:14अ)। जब उन्होंने एकता और निरन्तर प्रार्थना को बनाए रखा, तब वे आत्मा के उंडेले जाने को प्राप्त करने की स्थिति में थे!

परमेश्वर करे कि हमारे नगर में ऐसे लोग हों—पादरी, प्रचारक, परमेश्वर के सेवक और विश्वासी—जो व्यक्तिगत स्वार्थी योजनाओं को एक ओर रखकर एक साथ आने और खुले स्वर्ग, परमेश्वर की विशेष उपस्थिति, आत्मा के उंडेले जाने और ऐसी जागृति के लिए परमेश्वर

की खोज करने के लिए तैयार हों, जो नगर की हर कलीसिया को प्रभावित करे! ऐसे परमेश्वर के राज्य को प्राथमिकता देने वाले, मसीह के समान और लोगों से प्रेम करने वाले अगुवे कहाँ हैं? वे विश्वासी कहाँ हैं जो सम्प्रदाय की सीमाओं से बाहर निकलेंगे, जो किसी कलीसिया के नाम या ब्रांड के प्रति विभाजन पैदा करने वाली निष्ठाओं को दूर फेंकेंगे, और राजाओं के राजा और प्रभुओं के प्रभु, उसके राज्य और उसकी कलीसिया के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करेंगे? क्या हम अपने नगर के ऊपर खुले स्वर्ग के लिए परमेश्वर की खोज करने हेतु एक साथ आ सकते हैं?

उत्साही प्रार्थना

याकूब 5:16-18

16 इसलिये तुम आपस में एक दूसरे के सामने अपने–अपने पापों को मान लो, और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिस से चंगे हो जाओ: धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है।

17 एलिय्याह भी तो हमारे समान दुःख–सुख भोगी मनुष्य था; और उसने गिड़गिड़ाकर प्रार्थना की कि मेंह न बरसे; और साढ़े तीन वर्ष तक भूमि पर मेंह नहीं बरसा।

18 फिर उसने प्रार्थना की, तो आकाश से वर्षा हुई, और भूमि फलवन्त हुई।

परमेश्वर अपने लोगों की उत्कट प्रार्थनाओं का उत्तर देता है। हमारे पास एलिय्याह का यह उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसने स्वाभाविक वर्षा के लिए प्रार्थना की और इसे होते हुए देखा (1 राजा 18:41-46)। उसने घोषणा की कि बहुत बड़ी वर्षा होने की आहट है और फिर प्रार्थना करने के लिए चला गया। हमें यह संकेत नहीं मिलता कि उसने कितने समय तक प्रार्थना की। छः बार उसने प्रार्थना के उत्तर के चिन्ह देखने के लिए दृष्टि की और कुछ भी नहीं था! फिर भी, उसने अपनी प्रार्थना करना नहीं छोड़ा और न ही हार मानी। वह सातवीं बार भी प्रार्थना करता रहा, जब तक कि उसने एक ऐसी छोटी-सी बात नहीं देखी जो यह संकेत देती थी कि वर्षा आने वाली है। और सचमुच, वर्षा

आ गई! स्वर्ग को खुला देखने के लिए हमें इसी प्रकार की प्रार्थना की आवश्यकता है। ऐसी प्रार्थना जो तब भी नहीं रुकती जब ऐसा प्रतीत होता है कि स्वर्ग के खुलने का कोई चिन्ह दिखाई नहीं दे रहा। उत्साही प्रार्थना! गम्भीर प्रार्थना! धैर्यपूर्वक की जाने वाली प्रार्थना! ऐसी प्रार्थना जो तब तक नहीं रुकेगी जब तक वर्षा न हो जाए!

बाइबल के और भी कई अंश हैं जो हमें खुले स्वर्ग के लिए प्रार्थना करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

2 इतिहास 7:13,14

13 यदि मैं आकाश को ऐसा बन्द करूँ, कि वर्षा न हो, या टिड्डियों को देश उजाड़ने की आज्ञा दूँ, या अपनी प्रजा में मरी फैलाऊँ,
14 तब यदि मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरें, तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूँगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूँगा।

भजन संहिता 80:14,15

14 हे सेनाओं के परमेश्वर, फिर आ! स्वर्ग से ध्यान देकर देख, और इस दाखलता की सुधि ले,
15 यह पौधा तूने अपने दाहिने हाथ से लगाया, और जो लता की शाखा तूने अपने लिये दृढ़ की है।

भजन संहिता 144:5

हे यहोवा, अपने स्वर्ग को नीचा करके उतर आ! पहाड़ों को छू, तब उनसे धुआँ उठेगा!

यशायाह 64:1-4

1 भला हो कि तू आकाश को फाड़कर उतर आए और पहाड़ तेरे सामने काँप उठे।
2 जैसे आग झाड़–झँखाड़ को जला देती या जल को उबालती है, उसी रीति से तू अपने शत्रुओं पर अपना नाम ऐसा प्रगट कर कि जाति जाति के लोग तेरे प्रताप से काँप उठें!
3 जब तू ने ऐसे भयानक काम किए जो हमारी आशा से भी बढ़कर थे, तब तू

उतर आया, पहाड़ तेरे प्रताप से काँप उठे।
4 क्योंकि प्राचीनकाल ही से तुझे छोड़ कोई और ऐसा परमेश्वर न तो कभी देखा गया और न कान से उसकी चर्चा सुनी गई जो अपनी बाट जोहनेवालों के लिये काम करे।

जकर्याह 10:1
बरसात के अन्त में यहोवा से वर्षा माँगो, यहोवा से जो बिजली चमकाता है, और वह उनको वर्षा देगा और हर एक के खेत में हरियाली उपजाएगा।

अपेक्षा और विश्वास

जब हम परमेश्वर की खोज करते हैं और एक साथ प्रार्थना करते हैं, तब भी परमेश्वर की उपस्थिति और सामर्थ के प्रगट होने के लिए हमारे भीतर विश्वास और प्रबल अपेक्षा होनी चाहिए। हम उस किसान के समान हैं जो इस आशा में हल चलाता और बीज बोता है, और पूरी आशा करता है कि वर्षा होगी। जब हम उसकी उपस्थिति और सामर्थ की हर एक बूँद और फुहार को देखना शुरू करते हैं, तो हमें उसका उत्सव मनाना चाहिए। उसकी उपस्थिति का हर अनुभव, हर चंगाई, चाहे वह कितनी ही छोटी क्यों न हो, हमारे आनन्द मनाने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए, क्योंकि यह इस बात का संकेत है कि बहुत बड़ी वर्षा आने वाली है!

अपने अधिकार का प्रयोग

मत्ती 16:18,19
18 और मैं भी तुझ से कहता हूँ कि तू पतरस है, और मैं इस पत्थर पर अपनी कलीसिया बनाऊँगा, और अधोलोक के फाटक उस पर प्रबल न होंगे।
19 मैं तुझे स्वर्ग के राज्य की कुंजियाँ दूँगा: और जो कुछ तू पृथ्वी पर बाँधेगा, वह स्वर्ग में बंधेगा; और जो कुछ तू पृथ्वी पर खोलेगा, वह स्वर्ग में खुलेगा।"

हमें पृथ्वी पर स्वर्ग को प्रकट करने का अधिकार सौंपा गया है। परमेश्वर ने स्वर्ग में जिसे बँधा हुआ घोषित किया है, उसे हम पृथ्वी पर बाँधते हैं। जो स्वर्ग में अनुमति प्राप्त है, उसे हम पृथ्वी पर प्रकट करते

हैं। जो कुछ स्वर्ग को हमारे ऊपर उंडेले जाने से रोक रहा है, उसे बाँधने के लिए हमें अपने आत्मिक अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। हमारे क्षेत्रों में कलह और विभाजन की शैतानी आत्माओं तथा शैतानी प्रभावों को परमेश्वर द्वारा दिए गए हमारे अधिकार के प्रयोग के द्वारा बाँधकर हटा दिया जाना चाहिए।

यह समय क्यों समाप्त हो जाता है

"यद्यपि परमेश्वर की हर एक जागृति या आत्मा का उंडेला जाना अद्वितीय होता है, फिर भी परमेश्वर की सार्वभौम रीति से होने वाली कार्यवाही को प्राप्त करने और बनाए रखने में कुछ समानताएँ होती हैं। जब आग किसी कलीसिया या समूह पर आती है, तो परमेश्वर अपने लोगों से प्रतिक्रिया की अपेक्षा करता है और उसे देखना चाहता है। जब लोग अन्य उद्देश्यों और कार्यक्रमों को एक ओर रखकर मसीह और उसकी जागृति के कार्य को अपने जीवन का केन्द्र बनाकर प्रतिक्रिया करते हैं और ऐसा करते रहते हैं, तो उंडेला जाना जारी रहता है और परमेश्वर की विशेष उपस्थिति उसकी उपस्थिति के स्थायी निवास में बदल जाती है। जिस समय आग गिरती है, उस समय हमारी पूर्ण व्याकुलता और परमेश्वर के लिए हमारी गहरी लालसा हमें अपने कैलेंडर को खाली करके और अपने जीवन को उस पर केन्द्रित करके, उंडेले जाने के प्रति उचित प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करेगी।

जागृति हमारे जीने के तरीके, हमारे सोचने के तरीके और कलीसिया के रूप में हमारे कार्य करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगी। अपने हृदय और मन की गहराई में, अधिकांश लोग अभी तक इतने बड़े बदलाव के लिए तैयार नहीं हैं।

उंडेला जाना केवल एक समय के लिए आता और रहता है, इसका कारण मूलतः वही है। इसके स्थायी रूप से न रहने का कारण यह है कि लोग या अगुवाई फिर से इस जीवन की बातों के विषय में

चिन्तित होने लगते हैं। सांसारिक वस्तुओं के लिए दबाव और इच्छाएँ उनके जीवन में परमेश्वर के कार्य के लिए उपलब्ध स्थान को कम करने लगती हैं, और यह कार्य जारी नहीं रहता। यह परमेश्वर की योजना नहीं है कि हमारे उत्साह के कम होने और उसकी उपस्थिति में हमारी घटती हुई रुचि और अपने जीवन तथा कलीसियाओं में परमेश्वर के कार्य के जारी रहने के लिए स्थान बनाने की हमारी अनिच्छा के कारण उसकी उपस्थिति फीकी पड़ जाए। यदि हमारे पास करने के लिए कोई और बेहतर काम है, तो जागृति न तो आएगी और न ही बनी रहेगी। केवल तभी जब हम अपने कैलेंडर को खाली कर दें, अपने जीवन को खाली कर दें और एक खाली पात्र बन जाएँ, हम परमेश्वर के उंडेले जाने का अनुभव कर सकते हैं। और यदि हम अन्य कामों में व्यस्त होने लगें, तो हम परमेश्वर के उंडेले जाने में बने नहीं रहेंगे। यहाँ तक कि सेवकाई के अच्छे कार्य भी हमारे जीवन में जागृति लाने वाले आत्मा के उंडेले जाने को रोक सकते हैं।"

(*I saw the Smithton Outpouring, आई सॉ द स्मिथटन आउटपोरिंग,* रॉन मैकगैटलिन, 2002 से रूपान्तरित)

आइए, हम तब तक उसकी खोज करते रहें जब तक वह आए और हम पर, हमारी कलीसिया पर, नगर की कलीसिया पर और नगर पर वर्षा न करे।

क्या हम उसमें और उसकी उपस्थिति में और अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कीमत चुकाएँगे?

4
क्या आपके क्षेत्र के ऊपर स्वर्ग खुला है?

हम अपने उन नगरों और क्षेत्रों को कैसे प्रभावित करेंगे जो लोगों से भरते जा रहे हैं? एक अकेली कलीसिया यह कार्य नहीं कर सकती। कोई एक प्रचारक, कोई एक सुसमाचार प्रचार कार्यक्रम हमारे जैसे किसी ऐसे नगर तक नहीं पहुँच सकता, जिसमें लाखों लोग रहते हैं। हमें जिस चीज़ की आवश्यकता है, वह है पूर्ण रूप से जागृति—परमेश्वर की उपस्थिति और सामर्थ का ऐसा सामर्थी उंडेला जाना जो समय के साथ बना रहे, जब तक कि हमारे नगर का हर भाग स्थायी रूप से प्रभावित न हो जाए। नगर के रूपान्तरण के लिए जागृति अत्यन्त आवश्यक है।

जागृति के प्रमुख उद्देश्यों में से एक खोई हुई आत्माओं का उद्धार और समुदायों तथा नगरों का रूपान्तरण है। जागृति खुले स्वर्ग का वह दिव्य समय है जब परमेश्वर का राज्य सामर्थ के साथ प्रकट होता है, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से लोगों को चंगाई, छुटकारा और उद्धार प्राप्त होता है। परमेश्वर जागृति इसलिए लाता है कि हम अपने चमत्कार प्राप्त कर सकें, महिमा से भर जाएँ, उसे अपने समुदायों में ले जाएँ और नगर के रूपान्तरण के लिए कलीसिया में सुधार होते हुए देखें।

यह हमारे लिए एक साथ आने और अपने नगर के ऊपर एक खुला स्वर्ग स्थापित करने का बुलावा है। क्या आप खुले स्वर्ग के लिए परमेश्वर की खोज करने में अपना भाग निभाएँगे? एक बड़ी आग जलाने के लिए केवल एक चिंगारी ही पर्याप्त होती है। परमेश्वर को केवल मुट्ठी भर लोगों की आवश्यकता है (ऊपरी कोठरी में उन 120

लोगों को याद करें) ताकि ऐसी आग जलाई जा सके जो एक नगर को पूरी तरह बदल दे।

भजन संहिता 18:9
वह स्वर्ग को नीचे झुकाकर उतर आया;
और उसके पाँवों तले घोर अन्धकार था।

ऑनलाइन हमसे जुड़ें
(JOIN US ONLINE)

अंग्रेजी
(ENGLISH)

https://youtube.com/allpeopleschurchbangalore
https://instagram.com/allpeopleschurchbangalore
https://facebook.com/apcwo

https://youtube.com/apcbiblecollege
https://instagram.com/apcbiblecollege

https://youtube.com/APCMusicindia

https://www.youtube.com/@apc-free-christian-books

https://youtube.com/@chrysalislifecounseling

https://instagram.com/ChrysalisLifeCounseling

हिंदी
(HINDI)

https://youtube.com/APCHindi
https://www.instagram.com/apc_bangalore_hindi

क्या आप उस परमेश्वर को जानते हैं जो आपसे प्रेम करता है?

2000 साल पहले, परमेश्वर इस संसार में मनुष्य बनकर आया। उसका नाम यीशु है। उसने पूर्ण रूप से निष्पाप जीवन बिताया। यीशु देहधारी परमेश्वर था, इसलिए जो कुछ उसने कहा और किया, उसके द्वारा उसने परमेश्वर को हम पर प्रगट किया। जिन वचनों को उसने कहा, वे परमेश्वर के वचन थे। जिन कामों को उसने किया, परमेश्वर के कार्य थे। यीशु ने इस पृथ्वी पर कई सामर्थ के काम किए। उसने बीमारों को और पीड़ितों को चंगा किया। उसने अन्धों की आंखें खोलीं, बहरे कानों को खोल दिया, लंगड़े चलने लगे। उसने हर प्रकार के रोगों और बीमारियों को चंगा किया। उसने आश्चर्यजनक रूप से कुछ ही रोटियां बहुगुणित कर भूखों को खिलायी, आंधी को थामा और कई आश्चर्यकर्म किए।

ये सारे कार्य हमें दिखाते हैं कि यीशु अच्छा परमेश्वर है, जो चाहता है कि उसके लोग भले, चंगे स्वस्थ और खुश रहें। परमेश्वर लोगों की ज़रूरतों को पूरा करना चाहता है।

फिर परमेश्वर ने क्यों मनुष्य बनने का और हमारे संसार में आने का निर्णय लिया? यीशु क्यों आया?

हम सब ने पाप किया है और ऐसे कामों को किया है जो हमें उत्पन्न करने वाले परमेश्वर के सम्मुख अस्वीकारणीय हैं। पाप के परिणाम हैं। पाप परमेश्वर और हमारे बीच एक ऊंची दीवार है जिसे हम लांघ नहीं सकते। पाप हमें परमेश्वर से अलग करता है। वह हमें उस परमेश्वर को जानने और उसके साथ, जिसने हमें बनाया है, अर्थपूर्ण रिश्ता बनाए रखने से रोकता है। इसलिए, हम में से कई लोग अन्य बातों का सहारा लेकर इस खालीपन को भरने की कोशिश करते हैं।

हमारे पापों का अन्य परिणाम है। परमेश्वर से अनंतकाल तक अलगाव। परमेश्वर की अदालत में, पाप का दण्ड मृत्यु है। मृत्यु परमेश्वर से दूर नर्क में अनंतकाल का अलगाव है।

परंतु सुसमाचार यह है कि हम पाप से मुक्ति पाकर परमेश्वर से फिर मेल कर सकते हैं। बाइबल कहती है, ***"क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु***

***परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है"* (रोमियों 6:23)**। यीशु ने सम्पूर्ण जगत के पापों का दण्ड सहा, वह क्रूस पर मरा। फिर तीसरे दिन वह जी उठा, और उसने कइयों को खुद को जीवित दिखाया और वह स्वर्ग में चढ़ गया।

परमेश्वर प्रेमी और दयालु है। वह नहीं चाहता कि हममें से कोई व्यक्ति नर्क में नाश हो। और इसलिए वह सम्पूर्ण मानवजाति को पापों और उसके परिणामों से मुक्ति का मार्ग दिखाने के लिए आया। वह पापियों को बचाने के लिए आया—आपके और मेरे जैसे लोगों को पाप और अनंतकाल की मृत्यु से बचाने के लिए।

पापों की यह विनामूल्य क्षमा पाने के लिए बाइबल हमें बताती है कि हमें केवल एक काम करना है—जो कुछ प्रभु यीशु मसीह ने क्रूस पर किया उसे ग्रहण करना और उस पर सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करना।

***"जो कोई उस पर विश्वास करेगा, उसको उसके नाम के द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी"* (प्रेरितों के काम 10:43)।**

***"कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा "* (रोमियों 10:9)|**

यदि आप प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करेंगे, तो आप भी पापों की क्षमा और शुद्धता पा सकते हैं।

प्रभु यीशु मसीह में और जो कुछ उसने आपके लिए क्रूस पर किया उस पर विश्वास करने हेतु निर्णय लेने में आपकी सहायता करने के लिए यहां एक सरल प्रार्थना दी गई है। इस प्रार्थना की सहायता से आप जो कुछ यीशु ने आपके लिए किया, उसे ग्रहण कर सकते हैं और क्षमा और पापों से शुद्धी पा सकते हैं। यह प्रार्थना मात्र मार्गदर्शन के लिए है। आप अपने शब्दों में भी प्रार्थना कर सकते हैं।

प्रिय प्रभु यीशु, जो कुछ आपने क्रूस पर किया उसे मैंने आज समझा है। आप मेरे लिए मरे, आपने मेरे लिए बहुमूल्य लहू बहाया और मेरे पापों का दण्ड

चुकाया, ताकि मुझे क्षमा मिल सके। बाइबल बताती है कि जो कोई आप पर विश्वास करेगा वह अपने पापों से क्षमा पाएगा।

आज, मैं आप में विश्वास करने का और क्रूस पर मेरे लिए मर कर और फिर मरे हुओं में से जी उठ कर जो कुछ आपने मेरे लिए किया उसे ग्रहण करने का निर्णय लेता हूं। मैं जानता हूं कि मैं अपने भले कामों से खुद को बचा नहीं सकता, न ही और कोई मनुष्य मुझे बचा सकता है। मैं अपने पापों की क्षमा मोल नहीं ले सकता।

आज, मैं अपने हृदय में विश्वास करता हूं और अपने मुंह से कहता हूं कि आप मेरे लिए मरे, आपने मेरे पापों का दण्ड चुकाया। आप फिर मरे हुओं में से जी उठे, और आपमें विश्वास करने के द्वारा, मैं अपने पापों की क्षमा और अपने पापों से शुद्धता पा सकता हूं।

धन्यवाद यीशु। आपसे प्रेम करने, आपको अधिकाई से जानने और आपके प्रति विश्वासयोग्य रहने में मेरी सहायता कीजिए।

आमीन।

ऑल पीपल्स चर्च के बारे में

ऑल पीपल्स चर्च का दर्शन बैंगलोर शहर में नमक और ज्योति, और भारत देश और संसार के राष्ट्रों के लिए एक आवाज़ बनना है।

ऑल पीपल्स चर्च यीशु से **प्रेम रखने वाली, वचन पर केंद्रित, पवित्र आत्मा से परिपूर्ण** पारिवारिक कलीसिया, एक प्रशिक्षण संस्थान, मिशन आधारित संसार में सुसमाचार फैलाने वाली कलीसिया है।

- एक **पारिवारिक कलीसिया** के रूप में, हम मसीह केंद्रित संगति में एक समुदाय के रूप में एक साथ बढ़ते हैं, परमेश्वर की मण्डली के रूप में प्रेम में एक दूसरे की देखभाल और सेवा करते हैं।
- एक **सुसज्जित करने वाले केंद्र** के रूप में, हम प्रत्येक विश्वासी को विजयी रूप से जीने, मसीह की समानता में परिपक्व होने और उनके जीवनों के लिए परमेश्वर के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सामर्थी बनाते हैं और सुसज्जित करते हैं।
- एक **मिशन के आधार** के रूप में, हम अपने शहर, राष्ट्र और राष्ट्रों को परमेश्वर के वचन और पवित्र आत्मा की सामर्थ के अलौकिक प्रदर्शनों के माध्यम से यीशु मसीह के पूर्ण सुसमाचार के साथ आशीष देने के लिए सार्थक सेवकाई में संलग्न हैं।
- एक **विश्व सुसमाचार प्रचारक** के रूप में, हम ईश्वरीय अगुवों और पवित्र आत्मा से भरी कलीसियाओं का पोषण करके स्थानीय और विश्व स्तर पर सेवा करते हैं जो परमेश्वर के राज्य के लिए उनके क्षेत्रों को प्रभावित कर सकते हैं।

एपीसी में हम परमेश्वर का सम्पूर्ण वचन बिना किसी समझौते के साथ पवित्र आत्मा के अभिषेक और प्रकाशन के साथ प्रस्तुत करने के प्रति समर्पित हैं। हमारा विश्वास है कि अच्छा संगीत, रचनात्मक प्रस्तुति, बुद्धिमानीपूर्ण पक्ष समर्थन, समकालीन सेवकाई की तकनीकें, आधुनिक तंत्रविज्ञान आदि पवित्र आत्मा के चिन्हों, चमत्कारों, आश्चर्यकर्मों और पवित्र आत्मा के वरदानों के साथ वचन की घोषणा करने की परमेश्वर द्वारा नियुक्त पद्धति का स्थान नहीं ले सकते (1 कुरिन्थियों 2:4,5; इब्रानियों 2:3,4)। हमारा विषय यीशु है, हमारी विषयवस्तु वचन है, हमारी पद्धति पवित्र आत्मा की सामर्थ है, हमारा आवेश लोग हैं, और हमारा लक्ष्य मसीह सदृश्य परिपक्वता है।

हमारा मुख्यालय बैंगलोर में है, परंतु ऑल पीपल्स चर्च की भारत की अन्य कई स्थानों में शाखाएं हैं। ऑल पीपल्स चर्च की वर्तमान सूची और सम्पर्क सूचना के लिए कृपया हमारे वेबसाईट को भेंट दें: **apcwo.org/locations** या इस पते पर ई-मेल भेजें: **contact@apcwo.org**

निःशुल्क प्रकाशन

A Church in Revival
A Real Place Called Heaven
A Time for Every Purpose
Ancient Landmarks
Baptism in the Holy Spirit
Being Spiritually Minded and Earthly Wise
Biblical Attitude Towards Work
Breaking Personal and Generational Bondages
Change
Code of Honor
Divine Favor
Divine Order in the Citywide Church
Don't Compromise Your Calling
Don't Lose Hope
Equipping the Saints
Foundations (Track 1)
Fulfilling God's Purpose for Your Life
Gifts of the Holy Spirit
Giving Birth to the Purposes of God
God Is a Good God
God's Word—The Miracle Seed
How to Help Your Pastor
Integrity
Interpreting Scripture
Kingdom Builders
Laying the Axe to the Root
Living Life Without Strife
Marriage and Family
Ministering Healing and Deliverance
Offenses—Don't Take Them
Open Heavens
Our Redemption
Receiving God's Guidance
Revivals, Visitations and Moves of God
Shhh! No Gossip!
Speak Your Faith
The Conquest of the Mind
The End Times
The Father's Love
The House of God
The Kingdom of God
The Mighty Name of Jesus
The Night Seasons of Life
The Power of Commitment
The Presence of God
The Redemptive Heart of God
The Refiner's Fire
The Spirit of Wisdom, Revelation and Power
The Wonderful Benefits of Praying in Tongues
Timeless Principles for the Workplace
Understanding the Prophetic
Water Baptism
We Are Different
Who We Are in Christ
Women in the Workplace
Work—Its Original Design

नई पुस्तकें नियमित रूप से प्रकाशित की जाती हैं। PDF, आडियो तथा अन्य फॉर्मेट में विनामूल्य ए. पी. सी. पुस्तकों को डाऊन लोड करने हेतु कृपया **apcwo.org/books** को भेंट दें। इनमें से कई पुस्तकें अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध हैं। वैसे ही, विनामूल्य ऑडियो और वीडियो संदेशों, संदेश की टिप्पणियों, और अन्य कई संसाधनों के लिए हमारे वेबसाईट **apcwo.org/sermons** को भेंट दें।

क्रिसलिस काउंसलिंग

क्रिसलिस काउंसलिंग लोगों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और उन्हें दूर करने में मदद करने हेतु व्यक्तिगत परामर्श प्रदान करता है। क्रिसलिस काउंसलिंग व्यावसायिक और प्रशिक्षित और अनुभवी मसीही सलाहकारों की एक टीम है।

हमारी सेवाएं सभी आयु वर्ग के लोगों लिए हैं, और जीवन में होने वाली चुनौतियों की विस्तृत श्रृंखला का समाधान करती है।

- **किशोरों**
- **व्यक्तिगत समायोजन**
- **सम्बंधपरक चुनौतियां**
- **शिक्षा में कम सफलता पाने वाले**
- **कार्य सम्बंधित मुद्दे**
- **परिवार / दम्पत्ति: विवाह पूर्व, वैवाहिक आत्मिक समस्याएं**
- **माता-पिता / बच्चे / भाई-बहन / सहकर्मी**
- **व्यवहार सम्बंधी विकार**
- **व्यक्तित्व विकार**
- **मनोवैज्ञानिक / भावनात्मक समस्याएं**
- **तनाव / आघात**
- **शराब / नशीली दवाओं का गलत इस्तेमाल**
- **आध्यात्मिक मुद्दे**
- **जिंदगी की सीख**

हमारे प्रशिक्षित सलाहकारों में से किसी एक के साथ मुलाकात तय करने के लिए

वेबसाइट: **chrysalislife.org**
फ़ोन: +91-80-25452617 टोल फ्री (भारत के अंतर्गत) 1-800-300-00998
ईमेल: **counselor@chrysalislife.org**

क्रिसलिस काउंसलिंग ऑल पीपल्स चर्च एँड वर्ल्ड आउटरीच की सेवकाई है।

ऑल पीपल्स चर्च के साथ साझेदारी करें

ऑल पीपल्स चर्च स्थानीय कलीसिया के रूप में सम्पूर्ण भारत में सुसमाचार प्रचार करते हुए, विशेषकर उत्तर भारत में, उसकी सीमाओं से परे सेवा करता है। उसका विशेष लक्ष्य (अ) अगुवों को दृढ़ करना, (आ) जवानों को सेवकाई के लिए सुसज्जित करना और (इ) मसीह की देह की उन्नति करना है। जवानों के लिए कई प्रशिक्षण सम्मेलन, 'मसीही अगुवों के लिए सभाओं' का सम्पूर्ण वर्ष भर आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, पुस्तकों की कई हजारों प्रतियां अंग्रेजी में और अन्य कई भारतीय भाषाओं में बिना मूल्य के वितरीत की जाती हैं, उसके पीछे उद्देश्य यह है कि विश्वासियों को वचन और पवित्र आत्मा में उन्नति प्रदान करें।

हम आपको निमंत्रण देते हैं कि एक समय का दान भेजकर या मासिक आर्थिक दान भेजकर आर्थिक रूप से हमारे साथ साझेदारी करें। सम्पूर्ण राष्ट्र में इस कार्य के लिए जो भी रकम आप भेज सकते हैं, उसके लिए हम आपके प्रति कृतज्ञ रहेंगे।

आप अपने दान चेक / बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से "ऑल पीपल्स चर्च," बैंगलोर के नाम पर हमारे कार्यालय के पते पर भेज सकते हैं। अन्यथा हमारे बैंक खाते के विवरण का उपयोग करके आप अपना योगदान सीधे बैंक में डाल सकते हैं।

खाता नाम: All Peoples Church
खाता संख्या: 50200068829058
IFSC कोड: HDFC0004367
बैंक: HDFC Bank, 7M/308 80 Ft Road, HRBR Layout, Kalyan Nagar, Bengaluru-560043, Karnataka

कृपया ध्यान दें: *ऑल पीपल्स चर्च केवल भारतीय नागरिकों के बैंक योगदान ही स्वीकार कर सकता है। यदि आप चाहते हैं तो, अपना दान भेजते समय, स्पष्ट रूप से लिखें कि आप एपीसी सेवकाई के किस क्षेत्र के लिए दान भेजना चाहते हैं। अतिरिक्त जानकारी के लिए कृपया इस स्थान को भेंट दें* **apcwo.org/give**

उसी तरह, हमारे लिए और हमारी सेवकाई के लिए जब भी हो सके, प्रार्थना करना न भूलें।

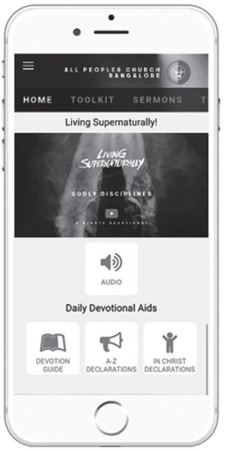
धन्यवाद और परमेश्वर आपको आशीष दे!

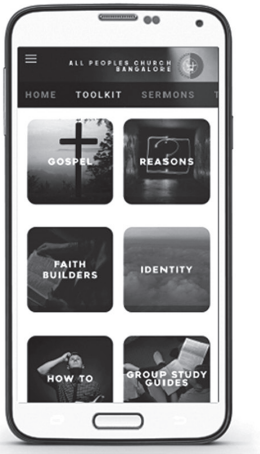
DOWNLOAD THE FREE APP!

Search for
"All Peoples Church Bangalore"
in the App or Google play stores.

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google play





A daily 5-minute video devotional.
A daily Bible reading and prayer guide.
5-minute Sermon summary.
Toolkit with Scriptures on various topics to build faith and information to share the Gospel.
Resources with sermons, sermon notes, TV programs, books, music and more.

IF YOU LOVE IT, TELL OTHERS ABOUT IT!

निःशुल्क ऐप डाउनलोड करें:

ऐप स्टोर या प्ले स्टोर में खोजें
“ऑल पीपुल्स चर्च (APCWO)”/
All Peoples Church Hindi

Available on the App Store

ANDROID APP ON Google Play



विश्वास को मजबूत करने और सुसमाचार साझा करने के लिए विभिन्न विषयों पर आधारित वचनों के टूलकिट।
उपदेशों, टीवी कार्यक्रमों, पुस्तकों, संगीत और बहुत कुछ से भरे संसाधन।
अगर आपको यह पसंद आए, तो
दूसरों को भी इसके बारे में बताएं!

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज

apcbiblecollege.org

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज एंड वर्ल्ड आउटरीच भारत के बैंगलोर में आत्मा से परिपूर्ण, अभिषिक्त, सक्रिय सेवकाई में सहभागी प्रशिक्षण और सिद्धांत की दृष्टि से सही एवं परमेश्वर के वचन के बौद्धिक दृष्टि से प्रेरणादायक अध्ययन के साथ पवित्र आत्मा की अलौकिक सामर्थ में सेवकाई के लिए तैयारी प्रदान करता है। हम सेवकाई के लिए सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में विश्वास करते हैं और ईश्वरीय चरित्र, परमेश्वर के वचन में गहरी बुनियाद, और चिन्ह, चमत्कारों और आश्चर्यकर्मों पर ज़ोर देते हैं—सब कुछ प्रभु के साथ निकट रिश्ते से प्रवाहित होता हुआ।

ऑल पीपल्स चर्च बाइबल कॉलेज (एपीसी-बीसी) में सही शिक्षा के अतिरिक्त, हम प्रत्यक्ष रूप से परमेश्वर के प्रेम, पवित्र आत्मा का अभिषेक और उपस्थिति और परमेश्वर के अलौकिक कार्य पर बल देते हैं। कई युवा स्त्री और पुरुषों ने प्रशिक्षण पाया है और उनके जीवनों में परमेश्वर की बुलाहट को पूरा करने हेतु उन्हें बाहर भेजा गया है।

निम्नलिखित तीन पदवियां दी जाती हैं :

- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में एक वर्षीय प्रमाणपत्र (C.Th.)
- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में दो वर्षीय प्रमाणपत्र (Dip.Th.)
- ईश्वर-विज्ञान और मसीही सेवकाई में तीन वर्षीय प्रमाणपत्र (B.Th.)

हर सप्ताह के दिन, **सोमवार से शुक्रवार तक भारतीय समय के अनुसार सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक (UTC+5:30)** कक्षाएं ली जाती हैं।

- **ऑन-कैम्पस**: कैम्पस में व्यक्तिगत कक्षाओं में भाग लीजिए
- **ऑनलाइन**: ऑनलाइन लाइव व्याखान में भाग लीजिए
- **ई-लर्निंग**: ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं की सुविधानुसार सीखनें के लिए **apcbiblecollege.org/elearn**

ऑनलाइन आवेदन हेतु, और कॉलेज, पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड, शिक्षण शुल्क और आवेदन पत्र डाउनलोड करने के विषय में अधिक जानकारी हेतु, कृपया इस वेबसाईट का अनुसरण करें: **apcbiblecollege.org**

मसीह की देह को लोगों, समुदायों और भौगोलिक क्षेत्रों के ऊपर स्वर्ग के खुलने के विषय में नई समझ और अंतर्दृष्टि प्राप्त हो रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि संसार में कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जैसे वेल्स और फ्लोरिडा, और भारत में शिलांग, जो खुले स्वर्ग के "विशेष केंद्र" हैं।

यह प्रकाशन इस विषय पर एक सरल अध्ययन है कि खुले स्वर्ग के विषय में पवित्रशास्त्र क्या प्रकट करता है, इसका क्या अर्थ है और इसके परिणाम क्या होंगे। हमें विश्वास है कि बहुत से लोग अपने जीवन, अपनी स्थानीय कलीसिया और अपने समुदाय के ऊपर एक "खुला स्वर्ग" होने के लिए प्रार्थना करने और उसे स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित होंगे। हमें विश्वास है कि किसी क्षेत्र की स्थानीय कलीसियाएँ एकजुट होकर अपने नगर या क्षेत्र के ऊपर खुले स्वर्ग, कलीसिया के सुधार / पुनर्स्थापन और उस नगर या क्षेत्र के रूपान्तरण के लिए प्रार्थना करने के संयुक्त प्रयास के लिए प्रेरित होंगी।

All Peoples Church & World Outreach
319, 2nd Floor, 7th Main, HRBR Layout,
2nd Block, Kalyan Nagar, Bangalore 560 043
Karnataka, INDIA

Phone: +91-80-25452617
Email: contact@apcwo.org
Website: apcwo.org